आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 26 | अंक - 144 | उज्जैन, मंगलवार 16 अप्रैल 2024 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

देश फिर कालेधन की तरफ धकेला गया, इलेक्टोरल बॉन्ड पर बोले पीएम मोदी- हर कोई पछताएगा

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों से पहले दिए इंटरव्यू में इलेक्टोरल बॉन्ड पर कहा कि फिर से देश को कालेधन की तरफ धकेल दिया गया है। उन्होंने कहा कि चुनावों को कालेधन से मुक्त कराने के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड लाया गया था लेकिन उसे रद्द कर फिर से चुनावों में कालेधन के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। पीएम ने कहा कि यह देश के लिए खतरनाक है। उन्होंने आगाह किया कि इसका विरोध करने वाले लोग इस मुद्दे पर पछताएंगे।

पीएम मोदी ने विपक्षी दलों पर इलेक्टोरल बॉन्ड्स स्कीम को लेकर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। पीएम मोदी ने कहा कि चुनावी बांड योजना का उद्देश्य चुनावों में काले धन पर अंकुश लगाना था लेकिन विपक्ष आरोप लगाकर भागना चाहता है। उन्होंने कहा, इलेक्टोरल बॉन्ड के कारण आपको मनी ट्रेल का पता चल सका है।

इलेक्टोरल बॉन्ड की तारीफ करते हुए पीएम मोदी ने कहा, इलेक्टोरल बॉन्ड से ये पता चल सका है कि किस कंपनी ने पैसे दिए? किस दल को पैसे दिए? पैसा कहां दिया? कितना दिया? इन सवालों के जवाब अब मिल पा रहे हैं, जो पहले संभव नहीं थे। इसलिए मैं कहता हूं कि जब विपक्षी दल ईमानदारी से सोचेंगे, तो हर किसी को पछतावा होगा। जो लोग डेटा पब्लिक होने को लेकर हल्ला मचा रहे हैं, उन्हें बाद में अफसोस होगा। उन्होंने देश को काले धन की तरफ धकेला है।÷

प्रधानमंत्री ने कहा कि जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद जिन 16 कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए चंदा दिए, उनमें से केवल 37 फीसदी राशि ही भाजपा को मिली, शेष 63 फीसदी राशि भाजपा विरोधी विपक्षी दलों को मिली है।

पीएम मोदी ने कहा कि पहले भी चुनावों में राजनीतिक दल चंदा लेते थे लेकिन उसका कोई लेखा-जोखा नहीं रहता था और कालेधन का इस्तेमाल चुनाव जीतने के लिए होता था। इलेक्टोरल बॉन्ड की वजह से मनी ट्रेल का पता चल सका। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी को भी कई बार लोगों ने चेक से चंदा देने से मना कर दिया था लेकिन वे नकद देना चाहते थे। उनका कहना था कि चेक से पैसे देने से उनकी पहचान उजागर हो जाएगी, तब लोग कहेंगे कि आपने विपक्षी दल को चंदा दिया है। पीएम ने कहा कि इस तरह की असुविधा ना हो इससे बचने के लिए इलेक्टोरल बॉन्ड लाया गया था।

बता दें कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड को रद्द कर दिया था।

आसमान में काले बादल से मौसम हुआ कूल-कूल, दिल्ली सहित 15 से ज्यादा राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दो दिनों से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत आधे भारत में मौसम सुहाना हो रखा है। लोगों को झुलसाती गर्मी से राहत मिली है। रविवार को भी पहाड़ों से लेकर मैदानी इलाकों में तेज हवाओं के साथ कहीं हल्की तो कहीं भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार, सोमवार को भी आसमान में बादल और दिल्ली सहित कई राज्यों में बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली को लेकर IMD ने भविष्यवाणी की है कि दिल्ली, एनसीआर के कई स्थानों और आसपास के इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश आज हो सकती है। इसके चलते मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है।

कैसा रहेगा दिल्ली का मौसम - दिल्ली के लोगों को गर्मी से राहत मिली है। जहां अप्रैल महीने की शुरुआत से ही झुलसाती गर्मी ने लोगों को परेशान कर रखा था तो वहीं अब पिछले दो दिनों से लोगों को तपती गर्मी से राहत मिली है। दिल्ली के लोगों के लिए राहत की बात यह है कि अभी उन्हें चिलचिलाती गर्मियों का कुछ दिनों तक सामना नहीं करना पड़ेगा। इस पूरे सप्ताह बीच-बीच में बादलों की आवाजाही, तेज हवा और हल्की वर्षा का क्रम बना रहेगा।

VIP कल्चर पर फिर होगी मार, टोल प्लाजा में होगा बड़ा बदलाव; हाईवे से हटेंगे ये होर्डिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। VIP कल्चर पर सरकार एक बार फिर मार करने की तैयारी कर रही है। अब खबर है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगे उन होर्डिंग को हटाने की योजना है, जिसमें टोल टैक्स से छूट हासिल करने वाले लोगों के नाम लिखे होते हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन संभावनाएं जताई जा रही हैं कि नई सरकार इस पर प्राथमिकता से फैसला ले सकती है।

खबर है कि बीते सप्ताह हुई सचिव स्तर की बैठक में यह सुझाव पेश किया गया है। ऐसा करने के लिए सरकार के सिर्फ एनएच फी रूल्स में ही संशोधन करना होगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा है कि ऐसे होर्डिंग्स का बहुत ज्यादा मतलब नहीं है और जनता के रुपयों का दुरुपयोग है।

उन्होंने कहा कि इसकी वजह से की टोल प्लाजा पर जिन लोगों को छूट मिलने का अधिकार है, उनके वाहनों को सरकार ने पहले ही एग्जेम्प्टेड FASTags उपलब्ध करा दिए हैं। साथ ही ऐसी सूची देखने में भी कुछ ही लोगों की दिलचस्पी होती है कि किसे टोल टैक्स से छूट मिलने का अधिकार है।

2024 लोकसभा चुनाव में EC जब्त कर चुका 4650 करोड़ रुपए, 75 साल में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए 19 अप्रैल को पहले चरण का मतदान किया जाना है। निर्वाचन आयोग ने पारदर्शी चुनाव के लिए तैयारी पूरी कर ली हैं। नेताओं के जहर उगलने वाले और आपत्तिजनक भाषणों पर नजर रखी जा रही है। साथ ही पैसों के अवैध लेन-देन पर भी ऐक्शन लिया जा रहा है। चुनाव निकाय ने सोमवार को जानकारी दी कि इस बार आयोग ने रिकॉर्ड संख्या में नकदी की बरामदगी की है। इस बार चुनाव आयोग ने कुल 4650 करोड़ रुपए की जब्ती की। जो देश में लोकसभा चुनाव के 75 साल के इतिहास में अब तक की सबसे ज्यादा जब्ती है।

2024 लोकसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जब्त की गई रकम 2019 के आम चुनाव की तुलना में काफी ज्यादा है। चुनाव निकाय ने यह भी कहा कि प्रवर्तन अधिकारियों ने लोकसभा चुनाव से पहले 1 मार्च से हर दिन 100 करोड़ रुपये से अधिक की जब्ती की है।

बयान में कहा गया, 2024 के आम चुनावों के साथ चुनाव आयोग देश में लोकसभा चुनावों के 75 साल के इतिहास में दर्ज की गई अब तक की सबसे अधिक जब्ती कर चुका है। आयोग ने कहा कि इस बरामदगी में टीम की ओर से उड़न दस्ते, सांख्यिकी निगरानी दल, वीडियो देखने वाली टीमें और सीमा चौकियां लगातार 24 घंटे अपना काम कर रही हैं। चुनाव आयोग लगातार इस दिशा में काम कर रहा है कि आम चुनाव 2024 में नकदी, शराब, मुफ्त चीजें, ड्रग्स और नशीले पदार्थों की आवाजाही या वितरण न हो।

चुनाव के दौरान चार्टर्ड विमानों, हेलिकॉप्टरों की बढ़ी मांग, घंटे के हिसाब से ले रहे पैसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनेताओं और राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों का देश भर में दौरा जारी है। इस बीच चार्टर्ड विमानों और हेलीकॉप्टरों की मांगों में उछाल आया है। यह 40 प्रतिशत तक बढ़ गई है। चार्टर्ड सेवा प्रदाताओं ने प्रति घंटे दरें भी बढ़ा दी हैं। एक चार्टर्ड विमान के लिए 4.5-5.25 लाख रुपये और हेलीकॉप्टर के लिए 1.5-3.5 लाख रुपये लिए जा रहे हैं।

पिछले चुनावी वर्षों की तुलना में मांग अधिक है। मांग के हिसाब से निजी विमान और हेलीकाप्टर कम संख्या में उपलब्ध हैं। रोटरी विंग सोसाइटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष (पश्चिमी क्षेत्र) कैप्टन उदय गेली ने बताया कि हेलीकाप्टरों की मांग सामान्य दिनों की तुलना में 25 प्रतिशत तक अधिक है। राजनीतिक दल आम तौर पर हेलीकॉप्टर का उपयोग करते हैं।

सिंगल से लेकर डबल इंजन के हेलीकॉप्टरों की मांग- उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में हेलीकॉप्टरों का उपयोग अधिक देखा जा रहा है। वहीं, बिजनेस एयरक्राफ्ट ऑपरेटर्स एसोसिएशन के प्रबंध निदेशक कैप्टन आर के बाली ने कहा कि चुनाव के समय, एक इंजन वाले हेलीकॉप्टरों के लिए दर 1.5 लाख रुपये तक और दोहरे इंजन वाले हेलीकॉप्टरों के लिए 3.5 लाख रुपये तक होती है। एक इंजन वाले हेलीकॉप्टर में पायलट सहित सात, जबकि दो इंजन वाले में 12 लोगों के बैठने की क्षमता होती है।

बेंगलुरु कैफे विस्फोट कांड का एक और आरोपी आया था कोलकाता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट कांड का आरोपित एक और आतंकी मुजम्मिल शरीफ कोलकाता आया था। वह इस मामले में गिरफ्तार आतंकियों मुसव्विर हुसैन शाजिब और अब्दुल मथीन अहमद ताहा को यहां रहने के लिए आवश्यक रुपये देकर कर्नाटक लौट गया था।

इसके बाद ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उससे पूछताछ में ही मुसव्विर हुसैन और अब्दुल मथीन के बारे में पता चला था। एनआईए सूत्रों के मुताबिक दोनों आतंकी कोलकाता से बांग्लादेश भागने की फिराक में थे।

कब्जे वाले जहाज से 17 भारतीयों की वापसी पर बड़ा फैसला, ईरान ने मानी जयशंकर की यह बात

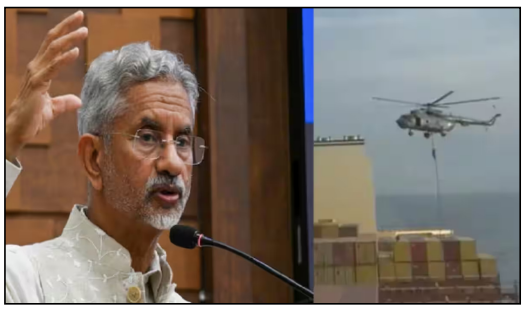

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान की ओर से जब्त किए गए मालवाहक जहाज पर सवार 17 भारतीयों की वापसी को लेकर बड़ी कामयाबी मिलती दिख रही है। तेहरान की ओर से कहा गया कि वो भारतीय प्रतिनिधियों को जल्द ही भारतीय चालक दल के सदस्यों से मिलने की इजाजत देगा। यह आश्वासन विदेश मंत्री एस जयशंकर और ईरानी समकक्ष अमीर अब्दुल्लाहियन के बीच बातचीत के बाद मिला है। इस दौरान भारत ने ईरान की ओर से हिरासत में लिए गए एमएससी एरीज पर 17 भारतीयों की सुरक्षित वापसी का मुद्दा उठाया था। मालूम हो कि ईरान की सेना ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास इजराइल से जुड़े एक मालवाहक जहाज को अपने कब्जे में ले लिया था। जहाज पर चालक दल के 17 भारतीय सदस्य सवार थे। पुर्तगाली झंडे वाले जहाज एमएससी एरीज पर सवार भारतीयों की रिहायी सुनिश्चित करने के लिए भारत ईरान के संपर्क में है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने रविवार को हुसैन अमीर-अब्दुल्लाह्यान से बात की। उन्होंने पुर्तगाली ध्वज वाले मालवाहक जहाज पर सवार 17 भारतीय नागरिकों की रिहाई की मांग उठाई। फोन पर बातचीत के दौरान जयशंकर ने ईरान-इजराइल शत्रुता के संदर्भ में तनाव बढ़ाने से बचने, संयम बरतने और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान किया।

जयशंकर ने एक्स पर कहा, 'आज शाम ईरानी विदेश मंत्री से बात की। एमएससी एरीज के चालक दल के 17 भारतीय सदस्यों की रिहाई का मुद्दा उठाया। क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की। तनाव बढ़ाने से बचने, संयम बरतने और कूटनीति के मार्ग लौटने के महत्व पर जोर दिया। संपर्क में बने रहने पर सहमति बनी।'एस जयशंकर के साथ बातचीत के बाद ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन ने कहा कि वे हिरासत में लिए गए जहाज पर नजर रखे हुए हैं। जल्द ही इसके चालक दल के साथ भारत सरकार के प्रतिनिधियों की बैठक कराई जाएगी। 1 अप्रैल को दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर संदिग्ध इजराइली हवाई हमला हुआ था। इसमें 2 जनरल सहित ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के 7 कर्मियों की मौत हो गई। इस घटना के जवाब में तेहरान ने शनिवार देर रात इजराइल पर सैंकड़ों ड्रोन और मिसाइल दागीं। भारत ने इस घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए तत्काल तनाव कम करने की अपील की। भारत ने कहा कि क्षेत्र में उसके दूतावास भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम इजराइल और ईरान के बीच बढ़ती शत्रुता से अत्यंत चिंतित हैं। इससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा है।

कौन था जनरल मोहम्मद रजा जाहेदी; ईरान ने जिसकी मौत का लिया बदला, आधी दुनिया बन गई दुश्मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध की शुरुआत हो चुकी है। ईरान 1 अप्रैल को सीरिया में उसके टॉप कमांडर समेत 13 लोगों की मौत का बदला ले चुका है। अब बारी इजरायल की है। उसने भी वॉर कैबिनेट बुलाकर जवाबी हमले की घोषणा कर दी है। हालांकि हमला कब और कहां किया जाएगा? यह स्पष्ट नहीं किया है। इसकी संभावना पूरी है कि इजरायल यूं ही चुप नहीं रहने वाला।

उधर, इजरायल पर 300 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन छोड़कर ईरान खुशी मना रहा है। ईरान ने ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस को सफल बताया है। यह और बात है कि ईरान द्वारा दागी गई मिसाइलों में से 99 फीसदी हवा में ही नष्ट कर दी गई। महज 7 मिसाइलें ही धरती तक पहुंच पाईं। ईरान ने इजरायल पर हमला करके जानबूझकर पश्चिम एशिया में नई जंग का आगाज कर दिया है। ईरान ने ऐसा क्यों किया? कौन था ईरान का टॉप कमांडर जनरल मोहम्मद रजा जाहेदी? जिसके लिए ईरान ने आधी दुनिया से दुश्मनी मोल ले ली।

जानकारी के लिए बता दें कि 2020 में अमेरिकी ड्रोन हमले में ईरान ने अपने मेजर जनरल कासिम सुलेमानी को खो दिया था। चार साल बाद ईरान ने इजरायली हमले में मोहम्मद रजा जाहेदी के रूप में अपना दूसरा सर्वोच्च कमांडर खोया है।

मामले की जानकारी रखने वाले बताते हैं कि ईरान ने इजरायल पर हमला अपनी इज्जत बचाने के लिए किया है। भले ही यह कदम उठाकर ईरान ने कइयों से दुश्मनी मोल ले ली है। इसका अंजाम क्या होगा? यह आने वाला वक्त बताएगा।

सिडनी में फिर खूनी खेल, चर्च में चाकू लेकर लोगों पर टूट पड़ा हमलावर; पादरी समेत कई घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिडनी में तीन दिन के अंदर ही स्टैबिंग की दूसरी घटना सामने आया है। यहां वेकली स्थित एक चर्च में हमलावर चाकू लेकर घुस गया और लोगों पर वार करने लगा। रॉयटर्स के मुताबिक चर्च में एक पादरी समेत कई लोग घायल हो गए हैं। किसी के मारे जाने की खबर नहीं है। बता दें कि शनिवार को सिडनी के एक मॉल में हमलावर ने चाकू से पांच लोगों की जान ले ली थी। इसके बाद हमलावर भी मार गिराया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस अधिकारियों ने एक शख्स को गिरफ्तार किया

है और उससे पूछताछ की जा रही है। वहीं जो लोग घायल हुए हैं उनको खतरा नहीं बताया गया है। लोगों को इलाज के लिए भेज दिया गया है।

चर्च में सरमन चल रहा था। तभी एक शख्स काले कपड़ों में पहुंचा और बिशप पर हमला करने लगा। इसके बाद लोगों ने बिशप को बचाने की कोशिश की। इस दौरान कई लोग घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने इलाके में लॉकडाउन लगा दिया है और लोगों को इस इलाके में ना आने की सलाह दी है।

मॉल में हुए हमले की भी जिम्मेदारी किसी संगठन ने नहीं ली थी। सिडनी के वेस्टफील्ड बॉडी जंक्शन शॉपिंग सेंटर में एक शख्स ने बच्चों से सहित लोगों को चाकू मारना शुरू कर दिया था। इसके बाद छह लोगों की मौत हो गई थी। चाकू से हमले की वजह से मॉल की फर्श पर चारों ओर खून बिखरा था। तभी एक महिला पुलिस अधिकारी ने बहादुरी दिखाई और हमलावर को गोली मार दी। हमलावर की मौके पर ही मौत हो गई थी। हत्या के पीछे की वजहों का पता अब तक नहीं चल पाया है।

इजरायल पर ईरान के हमले से युद्ध का खतरा, जी-7 देश भड़के

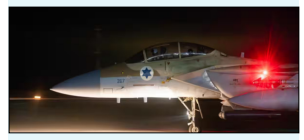

नई दिल्ली (एजेंसी)। जी-7 देशों के नेताओं ने इजरायल के खिलाफ ईरान के हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की है। साथ ही इस घटनाक्रम के कारण क्षेत्र में अनियंत्रित तनाव बढ़ने की आशंका जताई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने इन हमलों के मद्देनजर आपातकालीन बैठक बुलाने का फैसला किया है।

जो बाइडेन ने नेतन्याहू से ऐसा क्या बोला कि ठंडे पड़ गए तेवर, ईरानी हमलों के बाद भी चुप इजरायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरब देशों से अकेले ही निपटने के लिए मशहूर रहा इजरायल आखिर ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद भी ज्यादा आक्रामक क्यों नहीं है और बदले की बात पर चुप क्यों है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में फिलहाल यह सवाल अहम है। इजरायल पर आरोप था कि उसने सीरिया में ईरान के कौंसुलेट पर अटैक किया था और उसके टॉप जनरल समेत 12 लोगों को मार डाला था। इसका बदला लेने की धमकी देते हुए ईरान ने उस पर रातोंरात हमला किया और करीब 300 ड्रोन एवं मिसाइल दागे। इनमें से ज्यादातर को इजरायल ने आसमान में ही मार गिराया, लेकिन कुछ मामूली नुकसान भी हुआ है।

इजरायल की प्रतिष्ठा के लिहाज से ईरान का हमला एक चुनौती की तरह है। ईरान ने यह भी कहा है कि यदि आप फिर से पलटकर अटैक करेंगे तो फिर उसका भी माकूल जवाब मिलेगा। फिर भी इजरायल अब ज्यादा आक्रामक नहीं है। इसकी वजह यह है कि अमेरिका ने सक्रिय तौर पर युद्ध में उतरने से इनकार कर दिया है। रविवार को इजरायल की वॉर कैबिनेट की मीटिंग थी। इसमें ज्यादातर सदस्यों ने ईरान से बदला लेने पर सहमति जताई। लेकिन यह बदला कब और कैसे लिया जाए, इसे लेकर स्पष्टता नहीं दिखी। बेंजामिन नेतन्याहू की अध्यक्षता वाली 5 सदस्यीय वॉर कैबिनेट के कुछ लोगों ने कहा कि हमें बदला लेने के लिए हमला कर देना चाहिए।

इस मीटिंग के बाद फिर बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से बात की।

पंजाबी होने पर बलूच उग्रवादियों ने बस से उतारा और मार डाले 9 लोग, पाकिस्तान में क्यों फैल रही इतनी नफरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में बलूच, पख्तून और मुहाजिरों की पहचान के आंदोलन लंबे समय से चलते रहे हैं। पख्तून तो मानते रहे हैं कि उनकी पहचान 5000 साल पुरानी है और वे इस्लाम एवं पाकिस्तान से भी पुरानी सभ्यता वाले हैं। यही वजह है कि अफगानिस्तान से लेकर खैबर पख्तूनख्वा तक को वे एक यूनिट मानते हैं और पाकिस्तान की सीमा को भी खारिज करते रहे हैं। बीते 6 महीने से पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच चमन बॉर्डर पर हजारों पख्तूनों का आंदोलन इसकी बानगी है। वहीं बलूचों का मानना है उन्हें पाकिस्तान में शामिल कराके गलत किया गया और उनके संसाधनों का दोहन तो हो रहा है, लेकिन सत्ता में भागीदारी उनकी ना के समान है।

बांग्ला भाषा और पहचान के नाम पर पाकिस्तान 1971 में एक विभाजन झेल चुका है। इसके बाद भी वहां अलगाववाद थम नहीं रहा तो उसकी वजह यह है कि पंजाब सूबे का प्रभुत्व सबसे अधिक बना हुआ है। सेना से लेकर सत्ता तक में पंजाबियों का वर्चस्व है। ऐसे में कई जगहों पर पंजाबी विरोध हिंसक रूप लेता जा रहा है। शनिवार को ही बलूचिस्तान में 11 लोगों को मौत के घाट उतार दिया, जो मूलत- पाकिस्तानी पंजाब के थे। बलूच उग्रवादियों ने अलग-अलग हमलों में 11 लोगों की हत्या की जिम्मेदारी ली है।

पंजाब प्रांत के रहने वाले नौ युवकों को शनिवार को बलूचिस्तान प्रांत के नोशकी इलाके में बंदूकधारियों ने एक बस से जबरन उतार दिया और उनकी पंजाबी जातीयता की पुष्टि करने के बाद उन्हें अगवा कर लिया।

अफगानिस्तान में बाढ़ से बह गए सैकड़ों घर, 33 की मौत; 34 प्रांतों पर मंडरा रहा खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान शासित अफगानिस्तान में भारी बारिश के कारण अचानक आयी बाढ़ के कारण तीन दिन में कम से कम 33 लोगों की मौत हो गयी और 27 अन्य घायल हो गए हैं। जबकि 600 से ज्यादा घर बाढ़ में बह गए। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और भी अधिक तबाही की आशंका जताई है। ऐसा अनुमान है कि अफगानिस्तान के 34 प्रांतों पर प्राकृतिक आपदा का खतरा मंडरा रहा है।

प्राकृतिक आपदा प्रबंधन मंत्रालय के लिए तालिबान के प्रवक्ता अब्दुल्ला जनान सैक ने रविवार को बताया कि राजधानी काबुल और कई प्रांतों में अचानक बाढ़ आ गयी है। उन्होंने बताया कि बाढ़ के कारण 600 से अधिक मकान नष्ट या क्षतिग्रस्त हो गए हैं जबकि करीब 200 मवेशियों की मौत हो गयी है।

सैक ने बताया कि बाढ़ से 800 हेक्टेयर कृषि भूमि भी नष्ट हो गयी है और 85 किलोमीटर से अधिक की सड़कें क्षतिग्रस्त हो गयी हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ के कारण पश्चिमी फराह, हेरात, दक्षिणी जाबुल और कंधार प्रांतों में सबसे अधिक नुकसान पहुंचा है।

कैसे इजरायल के ये 5 सिपाही रोक देते हैं हर हमला, ईरान की भी 300 मिसाइलें और ड्रोन बेकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान ने रविवार तड़के इजरायल पर 300 मिसाइलें और ड्रोन दागकर दशहत पैदा कर दी, लेकिन इजरायल के अभेद त्रिस्तरीय सुरक्षा कवच की वजह से नुकसान ज्यादा नहीं हो पाया। इजरायल के एरो एरियल डिफेंस सिस्टम ने ईरानी हथियारों को धराशायी कर दिया। रक्षा सूत्रों के मुताबिक, इजरायली सेना त्रिस्तरीय हथियार आयरन डोम, डेविड्स स्लिंग और ऐरो डिफेंस सिस्टम की बदौलत 99 फीसदी ड्रोन और मिसाइलों को नाकाम करने में सफल रही। इन हथियारों में पैट्रियट और आयरन बीम भी प्रमुख रूप से शामिल हैं। बता दें, पिछले साल हमास के ड्रोन हमले के दौरान भी इन हथियारों की मदद से इजरायल ने हथियारों को मार गिराया था।

इजरायल द्वारा विकसित यह प्रणाली कम दूरी के रॉकेटों को मार गिराने में माहिर है। यह एक एयर डिफेंश शील्ड है, जिसका पूरा नाम आयरन डोम एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। इजरायल का कहना है कि उसकी सफलता दर 90त्न से अधिक है। इसमें एक इंटरसेप्टर लगा होता है, जो दिन-रात के अलावा सभी मौसम में कार्य करने में सक्षम है। जब कोई मिसाइल किसी इलाके में गिरने वाला होता है, इसके इंटरसेप्टर पता लगा लेते और उसे हवा में ही मार गिराता है।

इसे लंबी दूरी की मिसाइलों को रोकने के लिए बनाया गया है। यह 200 किलोमीटर से अधिक दूरी वाली बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में सक्षम है। इसका रॉकेट लगभग 11 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से मिसाइल को खत्म करता है। इसमें एक ग्रीन पाइन फायर कंटोल रडार शामिल है, जो 2400 किलोमीटर की लंबी दूरी तक लक्ष्य का पता लगा सकता है।

2017 में अमेरिका की मदद से इजरायल ने विकसित किया। मैजिक वैंड नाम से प्रसिद्ध यह स्लिंग रक्षा बल सैन्य प्रणाली का मजबूत हथियार है, जो मध्यम दूरी की मिसाइलों को रोकता है। इसकी ऑपरेशनल रेंज 250 किलोमीटर है और अधिकतम गति 7.5 मैक है।

बहुत घटिया मैनर्स हैं, बैठ जाओ; आखिर किस पर भड़क गए CJI चंद्रचूड़, लगा दी क्लास

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ अपने सख्त फैसलों और सुनवाइयों के दौरान की जाने वाली टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं। जब भी कोई कोर्ट रूम में अनुशासन को तोड़ता है, तो सीजेआई चंद्रचूड़ उसे हरगिज नहीं पसंद करते। इसी तरह सोमवार को सीजेआई उस समय भड़क गए, जब एक वकील बीच-बीच में टोक रहे थे। सीजेआई ने वकील की क्लास लगा दी।अदालती कार्रवाइयों को रिपोर्ट करने वाली वेबसाइट बार एंड बेंच के अनुसार, एक मामले में जब सुप्रीम कोर्ट की बेंच फैसला सुना रही थी, तब एक वकील बीच-बीच में टोक रहे थे। इसपर सीजेआई चंद्रचूड़ को पसंद नहीं आया और उन्होंने उस वकील को सुना दिया। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, क्या आपने हाईकोर्ट में भी ऐसा किया है? बहुत घटिया आचरण और शिष्टाचार हैं।

कृपया बैठ जाओ। वहीं, एक अन्य मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने वरिष्ठ वकील हुजेफा अहमदी से कहा कि वे अगली बार फिजिकल फाइलों की बजाए आईपैड लेकर आएं।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने भीड़ प्रबंधन पर अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने भीड़ प्रबंधन पर अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट को रिपोर्ट सौंप दी है। टीटीडी के इंजीनियरों की टीम ने राम मंदिर ट्रस्ट के निमंत्रण पर हाल ही में अयोध्या का दौरा किया था।

टीटीडी के अनुसार, टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी एवी. धर्मा रेड्डी और राम मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई थी। इस दौरान भीड़ प्रबंधन, जल की व्यवस्था करने, प्रवेश और निकास के तरीकों पर तकनीकी सलाह के साथ विस्तृत रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंपी गई। 13 अप्रैल को हुई बैठक में टीटीडी के तकनीकी सलाहकार रामचंद्र रेड्डी और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया, जबकि राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से चंपत राय और अन्य प्रतिनिधि शामिल हुए।

तकनीकी सलाह के साथ विस्तृत रिपोर्ट ट्रस्ट को सौंपी गई

उल्लेखनीय है कि पहले भी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुरोध पर टीटीडी अधिकारियों के दल ने तिरुमला की तरह ही श्रद्धालुओं को बिना किसी बाधा के दर्शन कराने के लिए ट्रस्ट की जरूरतों का आकलन करने के वास्ते 16 और 17 फरवरी को भी अयोध्या का दौरा किया था।

मणिपुर के विस्थापित लोकसभा चुनाव में वोट दे पाएंगे या नहीं? सुप्रीम कोर्ट ने सुना दिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मणिपुर में जातीय संघर्ष के कारण आंतरिक रूप से विस्थापित लगभग 18,000 लोगों के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान की सुविधा की मांग करने वाली याचिका पर विचार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि इस अदालत का हस्तक्षेप, विशेष रूप से इस विलंबित चरण में, मणिपुर के लिए लोकसभा के आगामी आम चुनावों के संचालन में महत्वपूर्ण बाधाएं पैदा करेगा।

18000 आंतरिक रूप से लोग हैं विस्थापित - पीठ ने कहा, आप अंतिम समय में आये हैं। इस स्तर पर, वस्तुतः क्या किया जा सकता है? हम इस स्तर पर हस्तक्षेप नहीं कर सकते है। वहीं, याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने कहा कि 18,000 आंतरिक रूप से विस्थापित लोग हैं। वे मणिपुर में चुनाव में मतदान करना चाहते हैं।

साल 2023 से मणिपुर हिंसा की चपेट में- मणिपुर मई 2023 से हिंसा की चपेट में है। 3 मई को पहली बार राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 160 से अधिक लोग मारे गए हैं और सैकड़ों लोग घायल हैं, जब पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च का आयोजन किया गया था।

सलमान खान के घर पर हुई फायरिंग के आरोपियों को लेकर मिली नई जानकारी, अभिनेता के भी घर बदलने की चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को आए दिन जान से मारने की धमकी मिलती रहती है। अभिनेता इन धमकियों की वजह से हमेशा सुरक्षा के घेरे में ही रहते हैं। कई बार सलमान को इन धमकियों का सामना पहले भी करना पड़ा है। इन्हीं धमकियों के बीच रविवार (14 अप्रैल, 2024) को सलमान खान के घर के बाहर एक बार फिर बदमाशों ने गोलीबारी कर अभिनेता को धमकाया है।

यह हादसा बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर हुआ। जब रविवार तड़के मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने गोलीबारी की। इस खबर ने उनके फैंस के साथ-साथ हर किसी को हैरान कर दिया। इस मामले को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सलमान खान से बात की। वहीं, मुंबई की बांद्रा पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर दो मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों ने गोलीबारी की। पुलिस ने बताया कि बांद्रा इलाके में स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट्स' के बाहर सुबह करीब पांच बजे दो व्यक्तियों ने चार गोलियां चलाईं। बदमाशों ने पांच राउंड गोलियां चलाईं।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने के बाद दोनों आरोपी को लेकर पुलिस जांच कर रही है। पुलिस आरोपितों का पता लगाने के लिए घर के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली जिसमें देखा गया कि दोनों आरोपी फायरिंग के बाद बांद्रा रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। उसके बाद उन्होंने बोरीवली जाने वाली लोकल ट्रेन पकड़ी। पुलिस आगे की जानकारी का पता लगा रही है।

सलमान खान के बांद्रा स्थित घर के बाहर फायरिंग की घटना के बाद क्राइम ब्रांच की टीम अब जांच कर रही है।वहीं, इसके साथ फॉरेंसिक टीम भी मौके पर मौजूद है और गोली के निशानों को चिन्हित कर रही है।

दुश्मनी खत्म करने को मिले, झगड़ा इतना बढ़ा कि 3 करोड़ की लैंबोर्गिनी को लगा दी आग

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद के पहाड़ी शरीफ इलाके में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां दो कारोबारी आपस में पुराने विवाद को सुलझाने के लिए इकट्ठा हुए थे। किसी बात को लेकर उन दोनों में झगड़ शुरू हो गया और एक ने दूसरे की लैंबोर्गिनी में आग लगा दी। नीरज नाम के शख्स ने मामले की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। नीरज ने यह लग्जरी कार कार सेकंड हैंड खरीदी थी। बता दें कि दोनों ही कारोबारी कार खरीदने और बेचने का धंधा करते हैं।

शनिवार को दोनों कमीशन को लेकर विवाद सुलझाने के लिए मिले ते। इसी बीच दोनों के बीच वाद-विवाद होने लगा। झगड़ा इतना बढ़ा कि लग्जरी कार में ही आग लगा दी गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है। जब तक कि कार को बुझाने के लिए दमकल कीगाड़ी पहुंचती, कार पूरी तरह जल चुकी थी। बाद में दमकल की गाड़ी भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया।

पुलिस के मुताबिक मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद आरोपी फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पहाड़ी शरीफ के इंस्पेक्टर गुरुवा रेड्डी ने कहा, पीड़िता और आरोपी दोनों ही कार खरीदने बेचने के बिजनस करते हैं। किसी कार के कमीशन को लेकर उन दोनों के बीच विवाद हो गया था। बता दें कि पिछले महीने भी एक इसी तरह की घटना सामने आई थी।

पिछले महीने 17 चारपहिया वाहनों को आग लगा दी गई थी। इसमें कई कारें भी शामिल थीं। सभी कार आई माता मंदिर के पास गैराज में खड़ी थीं। ये सभी कार खुले में ही पार्क की गई थीं।

जब पुणे कंट्रोल रूम में घटना को लेकर फोन आया तो पुलिस को जानकारी मिली। वाहनों के बाद आग मंदिर तक फैल गई थी। पता चला कि जलने वाली कारों में बीएमडब्लू भी शामिल थ।

इके अलावा मर्सिडीज और रेंज रोवर जैसी कारें भी जलकर खाक हो गई थीं।

ईरान और इजरायल की जंग के बीच आया भारत, दोनों देशों से क्या बोले जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को अपने इजराइली समकक्ष इजराइल काट्ज और ईरानी समकक्ष हुसैन अमीर-अब्दुल्लाह्यान के साथ टेलीफोन पर बात की। ईरान ने एक अप्रैल को दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर संदिग्ध इजराइली हवाई हमले में दो जनरल सहित ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के सात कर्मियों के मारे जाने की घटना के जवाब में शनिवार देर रात इजराइल पर सैंकड़ों ड्रोन और मिसाइल दागीं। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल काट्ज से अभी-अभी बातचीत हुई। मैंने कल के घटनाक्रम पर अपनी चिंता साझा की। व्यापक क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा की। संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की।

भारत ने इस घटनाक्रम पर चिंता जताते हुए तत्काल तनाव कम करने की अपील की। भारत ने कहा कि क्षेत्र में उसके दूतावास भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, हम इजराइल और ईरान के बीच बढ़ती शत्रुता से अत्यंत चिंतित हैं। इससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा है। मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, हम तनाव को तत्काल कम किए जाने, संयम बरतने, हिंसा से दूर रहने और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आग्रह करते हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत हालात पर करीब से नजर रखे हुए है। मंत्रालय ने कहा, क्षेत्र में हमारे दूतावास भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं। यह जरूरी है कि क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बनी रहे।

ईरान की सेना ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास इजराइल से जुड़े एक मालवाहक जहाज को अपने कब्जे में ले लिया था। जहाज पर चालक दल के 17 भारतीय सदस्य सवार थे। पुर्तगाली झंडे वाले जहाज एमएससी एरीज पर सवार भारतीयों की रिहायी सुनिश्चित करने के लिए भारत ईरान के संपर्क में है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

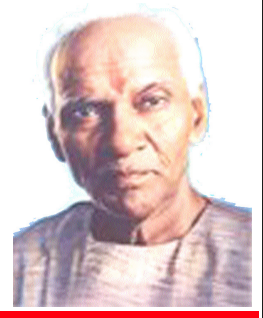

विक्रम संवत 2079 पौष कृष्ण अष्टमी

संपादकीय

पहले से जारी युद्धों से दुखी लोगों की दुनिया में चिंता की एक नई लहर दौड़ गई....

ईरान ने आखिर इजरायल पर हमला कर ही दिया। इसकी आशंका विगत सप्ताह से जताई जा रही थी और इसके साथ ही पहले से जारी युद्धों से दुखी लोगों की दुनिया में चिंता की एक नई लहर दौड़ गई है। छह महीने से जारी हमास-इजरायल की घातक जंग में हजारों लोग मारे गए हैं और अब अगर ईरान के मोर्चे पर भी जंग छिड़ती है, तो न जाने कितने लोग मारे जाएंगे?

आखिर ईरान को युद्ध में सीधे कूदने की जरूरत क्यों पड़ी? ईरान और इजरायल के बीच वैसे भी भौगोलिक दूरी ज्यादा है। दरअसल, दोनों देशों के बीच तनातनी को समझने के लिए 1979 में हुई ईरान की क्रांति को समझना पड़ेगा। ईरान में तब इस्लाम के नाम पर क्रांति हुई थी। ईरान की बुनियाद वैचारिक है, इस्लाम आधारित है। वह पूरी मुस्लिम दुनिया का नेतृत्व करना चाहता है, पर शिया-सुन्नी का भेद बाधा है। सुन्नी मत की प्रधानता वाले मुस्लिम देश शिया ईरान को नेतृत्व के रूप में स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं होते हैं। ईरान में इस्लाम के नाम पर हुई क्रांति के बाद अयातुल्लाह खुमैनी ने जब सत्ता संभाली थी, तब उन्होंने सऊदी अरब के साथ विवाद शुरू कर दिया था। मक्का-मदीना पर कब्जे का मनसूबा था, मगर कामयाब नहीं हो पाए। ईरान जब सऊदी अरब को झुका या मना नहीं सका, तब उसने अपने प्लान-बी को आजमाया। ईरान के लिए यह आसान था कि वह इजरायल का विरोध करे और फलस्तीन का समर्थन। ध्यान रहे, ईरान इस पूरे क्षेत्र में अकेला देश है, जो येरुशलम दिवस मनाता है। फलस्तीन का समर्थन करने के लिए इजरायल का विरोध करना ईरान की उस इस्लामी रणनीति का हिस्सा है, जिस पर वह विगत चार दशक से चल रहा है।

मतलब, ईरान के लिए इजरायल कोई भू-रणनीतिक आधार या नजरिया नहीं है, उसका विरोध सिर्फ संप्रदाय आधारित है। विडंबना देखिए, साल 1979 से पहले जब ईरान में शाह शासन था, तब ईरान-इजरायल की दोस्ती थी। दोनों देश अमेरिका के करीबी थे, मगर जब ईरान में इस्लामी क्रांति हुई, तो सब कुछ बदल गया। अरब दुनिया की कूटनीति और राजनीति भी बदल गई। इजरायल का विरोध करना ईरान के लिए मानो बाध्यता हो गई है, अब वह इजरायल के विरोध में अपने लिए वैधता या मान्यता तलाशता है।

खैर, अब जब ईरान ने हमला कर दिया है, तब भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग वहां होंगे, जो नहीं चाहेंगे कि संघर्ष या युद्ध बढ़े। सच है कि इजरायल के खिलाफ लड़ने वाले आतंकी संगठनों को ईरान से मदद मिलती रही है। वह आतंकियों को हथियार भी देता रहा है और प्रशिक्षण भी। हमास और हिज्बुल्लाह को ईरान के जरिये करीब 25 साल से मदद मिलती रही है। हिंसा बढ़ते-बढ़ते, हालात बिगड़ते-बिगड़ते और खासतौर पर 7 अक्तूबर के बाद अब ऐसी नौबत आ गई है कि ईरान को सीधे हमला करना पड़ा है। जब हमास ने इजरायल पर खूंखार ढंग से हमला किया था, तभी इजरायल ने साफ कर दिया था कि आतंकी संगठनों को ईरान का संरक्षण मिल रहा है। ऐसे में, इजरायल भला क्यों नहीं चाहेगा कि वह ईरान को कमजोर करे? यह भी एक कारण है कि इजरायल शुरू से ही ईरान के परमाणु कार्यक्रम का विरोध करता रहता है। खासकर साल 2002 में जब ईरानी परमाणु कार्यक्रम सबके सामने आ गया, तब से इजरायल और अमेरिका, दोनों ईरान का विरोध करते आ रहे हैं। ईरान और इजरायल के बीच कोई भौगोलिक दुश्मनी नहीं है, पर एक-दूसरे का विरोध करते नौबत जंग तक पहुंच गई है।

केएच आरा

कृष्णाजी हावलाजी आरा एक भारतीय चित्रकार थीं और उन्हें पहली समकालीन भारतीय चित्रकार के रूप में देखा जाता है, जिन्होंने नग्न महिला को एक विषय के रूप में सावधानीपूर्वक इस्तेमाल किया। वह बॉम्बे में प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप का हिस्सा थे और मुंबई में आर्टिस्ट्स सेंटर के संस्थापक थे । आरा के कार्यों के बारे में राय विभाजित है क्योंकि उनके आलोचकों ने उन पर पूर्णता की कमी और जीवन से संबंधित नहीं होने का आरोप लगाया है। 2017 में, क्यूरेटर क़ारून थापर ने मुंबई में प्राइवेटली आरा नामक एक प्रदर्शनी में आरा की 22 कृतियाँ प्रदर्शित कीं।

प्रारंभिक जीवन

आरा का जन्म अप्रैल 1914 में बोलारम , सिकंदराबाद में एक ड्राइवर के बेटे के रूप में हुआ था । जब वह तीन वर्ष के थे तब उनकी माँ की मृत्यु हो गई और उनके पिता ने दूसरी शादी कर ली। जब वह सात साल के थे तो वह घर से भागकर मुंबई आ गए। 1985 में उनकी मृत्यु तक यह शहर उनका घर बना रहा। मुंबई में उन्होंने कारों की सफाई करके जीविकोपार्जन किया और बाद में एक अंग्रेजी परिवार में हाउसबॉय के रूप में रोजगार पाया । नौकरी के दौरान भी उन्हें पेंटिंग के प्रति अपने जुनून से जुड़ने का समय मिला और जल्द ही इसने पहले टाइम्स ऑफ इंडिया के कला समीक्षक रूडी वॉन लेडेन और फिर इलस्ट्रेटेड वीकली ऑफ इंडिया के संपादक वाल्टर लैंगहैमर का ध्यान आकर्षित किया । लैंगहैमर आरा के कौशल से इतना प्रभावित हुआ कि उसने उसे जेजे स्कूल ऑफ आर्ट में दाखिला दिला दिया । आरा ने सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान नमक सत्याग्रह में भाग लिया और पांच महीने के लिए जेल गए। बाद में उन्हें एक जापानी फर्म में कार क्लीनर के रूप में रोजगार मिला। बाद में, भारत की आजादी पर उन्होंने एक बड़ा कैनवास बनाया जिसमें स्वतंत्रता दिवस के जश्न में बड़ी संख्या में भारतीय लोगों के जुलूस को दर्शाया गया।

एक कलाकार के रूप में करियर

आरा ने 1942 में बॉम्बे के चेतना रेस्तरां में अपना पहला एकल शो आयोजित किया जो बेहद सफल रहा। वह 1948 में प्रगतिशील कलाकारों के समूह में शामिल हो गए जिसमें एमएफ हुसैन , एचए गाडे , एसएच रजा , एफएन सूजा और सदानंद बकरे शामिल थे। समूह ने प्रिंस ऑफ वेल्स संग्रहालय के पीछे काला घोड़ा में कलाकारों का केंद्र स्थापित किया । उन्होंने समूह के साथ कई शो किए लेकिन सूजा, रज़ा, गाडे और बकरे के भारत छोड़ने के साथ, समूह पूर्ववत हो गया। 1948 से 1955 तक, आरा ने मुंबई, अहमदाबाद , बड़ौदा और कलकत्ता में कई एकल और समूह शो आयोजित किए और बाद में पूर्वी यूरोप , जापान , जर्मनी और रूस में एकल प्रदर्शनियां आयोजित कीं । 1963 में उन्होंने मुंबई में अपनी ब्लैक न्यूड श्रृंखला का प्रदर्शन किया और पुंडोल आर्ट गैलरी के उद्घाटन शो का हिस्सा थे। कुमार गैलरी, नई दिल्ली ने 1955 और 1960 के बीच उनकी कृतियों का अधिग्रहण किया।

कलात्मक शैली

आरा ने अपने करियर की शुरुआत सामाजिक-ऐतिहासिक विषयों पर परिदृश्य और पेंटिंग से की थी, लेकिन वह अपने स्थिर जीवन और नग्न पेंटिंग के लिए सबसे ज्यादा जाने जाते हैं । आरा पहली समकालीन भारतीय चित्रकार थीं, जिन्होंने प्रकृतिवाद की सीमा के भीतर रहते हुए नग्न महिला पर एक विषय के रूप में ध्यान केंद्रित किया । उनके कई कार्य स्थिर जीवन और मानव आकृति अध्ययन से संबंधित हैं। जबकि उन्होंने शुरू में जलरंगों और गौचे का उपयोग किया था , जहां उनके इम्पैस्टो प्रभाव के उपयोग ने अक्सर उन्हें तेल चित्रों के समान बना दिया था , बाद में उन्होंने तेल पेंट के उपयोग की ओर कदम बढ़ाया। यहां पतले रंगद्रव्य के उनके सफल निष्पादन ने पानी के रंगों के साथ उनके शुरुआती काम को याद दिलाया जैसा कि पेंटिंग वूमन विद फ्लावर्स में देखा गया था। आरा के काम में फ्रांसीसी आधुनिक कलाकारों, विशेष रूप से पॉल सेज़ेन का गहरा प्रभाव परिलक्षित होता है।

पुरस्कार

आरा ने 1944 में पेंटिंग के लिए गवर्नर पुरस्कार और 1952 में अपने कैनवास ÷टू जग्स÷ के लिए बॉम्बे आर्ट सोसाइटी से स्वर्ण पदक जीता । उन्होंने विंडसर और न्यूटन नकद पुरस्कार, बॉम्बे भी जीता।

आलोचना

उनके कुछ आलोचकों ने उनकी पेंटिंग्स को खराब तरीके से निष्पादित करने और जीवन से संदर्भित नहीं करने का आरोप लगाया है। उनके कुछ नग्न चित्रों में महिला जननांगों को गलत तरीके से चित्रित करने की भी आलोचना हुई है और कुछ दर्शकों ने दावा किया है कि फूलदानों के समूहों के उनके चित्रों में उनके नग्न रूपों की तुलना में अधिक कामुकता है।

परिवार और बाद का जीवन

उनकी दत्तक पुत्री रुक्साना पठान के अनुसार आरा एक व्यक्ति के रूप में आजीवन कुंवारे और अलैंगिक रहे। बाद में अपने करियर में, आरा ने कम प्रदर्शन करना शुरू कर दिया और आर्टिस्ट सेंटर में अधिक समय बिताना शुरू कर दिया, जहां वह अक्सर अपने निजी फंड से संघर्षरत कलाकारों की मदद करते थे। अपने जीवन के अंतिम दशकों में वह गरीबी में रहे, 1950 और 60 के दशक में उन्हें जो सफलता मिली थी, वह उससे कोसों दूर थी। सूजा, रज़ा और हुसैन के विपरीत, उनकी पेंटिंग उनकी प्रसिद्धि या कीमतों का अनुकरण करने में विफल रही हैं। आरा बॉम्बे आर्ट सोसाइटी की प्रबंध समिति का हिस्सा थे और बाद में ललित कला अकादमी के फेलो बन गए । 1985 में मुंबई में उनका निधन हो गया।

एक चित्रकार के रूप में उनके कौशल को ऑस्ट्रियाई कलाकार और द टाइम्स ऑफ इंडिया के कला निर्देशक , वाल्टर लैंगहैमर ने देखा, जिन्होंने उन्हें अपनी कलात्मक खोज में प्रोत्साहित किया। स्व-सिखाई गई कलाकार, आरा प्रतिकूल परिस्थितियों में पली-बढ़ी और गांधी के नमक सत्याग्रह आंदोलन में भाग लेने के कारण उन्हें जेल में डाल दिया गया। उन्होंने अपनी ट्रेडमार्क शैली विकसित की - विशेष रूप से उनकी मजबूत नग्नता और स्थिर जीवन वाली पेंटिंग - जो कि जीवन-पुष्टि करने वाले एक युगद्रष्टा द्वारा अवर्णनीय रूप से चिह्नित है।

अपने कला अभ्यास में, आरा न तो सूजा की तरह कच्ची कामुकता से चौंकाना चाहता था, न ही वह हुसैन की तरह लोक कला को फिर से देखना चाहता था।

वह एक आधुनिकतावादी थे जिनके लिए कला का रूप और भाषा अन्य सभी सामाजिक और राजनीतिक प्रेरणाओं से पहले थी।

उनकी कला हमेशा सहज, कल्पनाशील, सहज और तात्कालिक थी न कि जानबूझकर या बौद्धिक। इससे एक निश्चित उदारवाद विकसित हुआ जो न तो अनुकरणात्मक था और न ही व्युत्पन्न, बल्कि उन्हें शैली की खोज में एक प्रकार की घूमने वाली यात्रा पर ले गया।

आरा ने स्वतंत्रता से पहले कई पुरस्कार जीते, जिनमें बॉम्बे आर्ट सोसाइटी के वार्षिक पुरस्कार, गवर्नर पुरस्कार और यूनेस्को का एक पुरस्कार शामिल था। वह बॉम्बे में कलाकार सहायता केंद्र के संस्थापक और सचिव और जहांगीर आर्ट गैलरी के ट्रस्टी थे, और ललित कला अकादमी, नई दिल्ली के फेलो और जनरल काउंसिल सदस्य दोनों थे। 30 जून 1985 को उनका निधन हो गया।

अडानी की झोली में आई एक और सीमेंट कंपनी, एक्सपर्ट बोले- 830 के पार जाएगा शेयर!

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंबुजा सीमेंट्स के शेयर आज सोमवार को फोकस में थे। कंपनी के शेयर आज मामूली तेजी 0.9 पर्सेंट के साथ 615.30 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। दरअसल, अंबुजा सीमेंट्स ने एक बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने तमिलनाडु के तूतीकोरीन में माई होम समूह की सीमेंट 'ग्राइंडिंग' इकाई का कुल 413.75 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करेगी।

अडानी समूह का हिस्सा अंबुजा सीमेंट्स ने सोमवार को बयान में बताया कि माई होम समूह की सीमेंट 'ग्राइंडिंग' इकाई का अधिग्रहण करने के लिए एक निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इकाई की क्षमता 1.5 एमटीपीए है।

बयान के अनुसार, '' आंतरिक स्रोतों के जरिए 413.75 करोड़ रुपये के कुल वैल्यू पर अधिग्रहण से तमिलनाडु और केरल के दक्षिणी बाजारों में कंपनी को तटीय पहुंच बढ़ाने में मदद मिलेगी।''

अडानी समूह के सीमेंट व्यवसाय के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अजय कपूर ने कहा, '' बुनियादी ढांचे और भौगोलिक लाभों के अलावा अंबुजा सीमेंट्स को मौजूदा डीलर नेटवर्क भी मिलेगा। कंपनी वर्तमान कर्मचारियों को बनाए रखेगी जिससे इस बदलाव को सुचारु रूप से अंजाम देने में मदद मिलेगी।''

अंबुजा सीमेंट्स के शेयर महीनेभर में 3.99% चढ़ा है। छह महीने में यह शेयर 40त्न तक चढ़ गया है। इस साल YTD में यह शेयर 17% और पिछले एक साल में 56% तक चढ़ गया है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 640.95 रुपये और 52 वीक का लो प्राइस 373.30 रुपये है।

कंपनी का मार्केट कैप 1,20,915.87 करोड़ रुपये है। घरेलू ब्रोकरेज फर्म के मुताबिक, कंपनी के इस शेयर में तेजी आ सकती है।

आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने अंबुजा सीमेंट्स को 831 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदने की सलाह दी है।

83 का शेयर बनने वाला है तूफान! एक्सपर्ट बोले- 124 तक जाएगा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार में बिकवाली वाले माहौल के बीच कुछ शेयरों पर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। ऐसा ही एक शेयर- आईडीएफसी फर्स्ट बैंक है। इस शेयर ने एक साल में अपने 52-सप्ताह के निचले स्तर से 53% अधिक रिटर्न दिया है। बता दें कि पिछले साल 17 अप्रैल को शेयर की कीमत 53.90 रुपये तक लुढ़क गई थी, जो अब 83 रुपये पर कारोबार कर रहा है। इसकी तुलना में बैंक निफ्टी एक साल में 14त्न चढ़ा है। बिजनेस टुडे की एक खबर के मुताबिक शेयर बाजार के एक्सपर्ट आदित्य गग्गर IDFC फर्स्ट बैंक के स्टॉक को लेकर बुलिश नजर आ रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि बैंकिंग स्टॉक 6 से 9 महीनों में 104 रुपये से 124 रुपये के लक्ष्य तक पहुंच जाएगा। गग्गर ने कहा कि बुलिश फ्लैग और पोल फॉर्मेशन ब्रेकआउट के साथ 7 महीने से अधिक का कंसोलिडेशन समाप्त हो गया है। इसी तरह, वैश्विक ब्रोकरेज जेफरीज ने IDFC फर्स्ट बैंक के शेयर पर खरीदें रेटिंग दी है और 100 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ कवरेज शुरू किया है। IDFC फर्स्ट बैंक ने दिसंबर 2023 तिमाही के दौरान नेट प्रॉफिट में 18त्न की वृद्धि दर्ज की और यह 715.68 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। वहीं, वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में यह 605 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था।

2700 से टूटकर 11 पर आया यह शेयर, ट्रेडिंग हुई बंद, अब कंपनी के ऑडिटर पर लगा बड़ा जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अंबानी की दिवालिया कंपनी- रिलायंस कैपिटल से जुड़े मामले में राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने एक ऑडिट कंपनी और दो ऑडिटर पर कुल 4.5 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। मामला 2018-19 में रिलायंस कैपिटल की वित्तीय स्थिति की ऑडिटिंग में कथित खामियों से जुड़ा है। वित्त वर्ष 2018-19 के रिलायंस कैपिटल के वैधानिक ऑडिट के लिए झा एंगेजमेंट पार्टनर (ईपी) थे और शाह एंगेजमेंट क्वालिटी कंट्रोल रिव्यू (ईक्यूसीआर) पार्टनर थे। कंपनी का 2018-19 में प्राइस वॉटरहाउस एंड को. एलएलपी (पीडब्ल्यू) और पाठक एचडी एंड एसोसिएट्स द्वारा संयुक्त रूप से ऑडिट किया गया था। एनएफआरए ने 12 अप्रैल के आदेश में कहा कि संदिग्ध धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने और अन्य संयुक्त लेखा परीक्षक (पीडब्ल्यू) द्वारा इस्तीफे के बावजूद लेखा परीक्षकों ने ऑडिटिंग के मानकों (एसए) के तहत पर्याप्त प्रक्रियाएं पूरी नहीं की। पाठक एचडी एंड एसोसिएट्स पर तीन करोड़ रुपये, परिमल कुमार झा पर एक करोड़ रुपये और विशाल डी शाह पर 50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा झा और शाह पर ऑडिट से जुड़े काम करने पर क्रमशः 10 साल और पांच साल की रोक लगा दी गई है।

भारी कर्ज की वजह से अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल के स्वामित्व में बदलाव हुआ है। इस कंपनी का अधिग्रहण हिंदुजा समूह ने किया है। बता दें कि नवंबर 2021 में शासन संबंधी चिंताओं और भुगतान में चूक के कारण अनिल अंबानी समूह की कंपनी के बोर्ड को भारतीय रिजर्व बैंक ने भंग कर दिया था। इसके बाद कंपनी की दिवालिया प्रक्रिया शुरू हो गई।बता दें कि रिलायंस कैपिटल के शेयर साल 2008 में 2700 रुपये के स्तर तक पहुंच गए थे। हालांकि, इसके बाद शेयर में गिरावट का सिलसिला शुरू हुआ और यह 99 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है। फिलहाल, रिलायंस कैपिटल की ट्रेडिंग बंद है और कंपनी की डी-लिस्टिंग होने वाली है।

मार्च में बढ़ी थोक महंगाई, आलू और प्याज की कीमतों ने बिगाड़ी चाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में सब्जियों, आलू, प्याज और कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण थोक मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से बढ़कर 0.53 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत थी। दिसंबर, 2022 में यह 5.02 प्रतिशत के स्तर पर थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा- अखिल भारतीय थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आंकड़ों पर आधारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर मार्च 2024 में 0.53 प्रतिशत रही। आलू की मुद्रास्फीति मार्च 2023 में 25.59 प्रतिशत थी जो मार्च 2024 में 52.96 प्रतिशत रही। प्याज की मुद्रास्फीति 56.99 प्रतिशत रही जो मार्च 2023 में शून्य से नीचे 36.83 प्रतिशत थी। आंकड़ों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के बढ़ने से इस साल मार्च में कच्चे पेट्रोलियम कैटेगरी में मुद्रास्फीति 10.26 प्रतिशत बढ़ गई। हालांकि, मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट के कारण इस साल मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई।

पस्त बाजार में इस शेयर को खरीदने की लूट, दिग्गज निवेशक के दांव से बढ़ी चमक

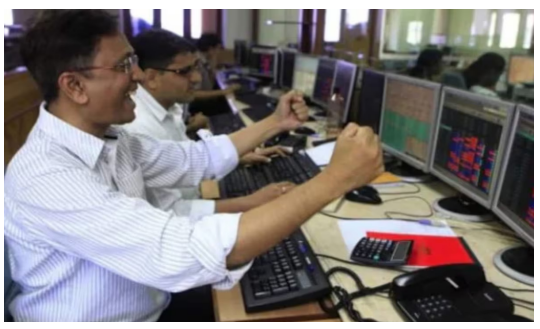

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक विजय केडिया के पोर्टफोलियो में कई ऐसे स्टॉक हैं जो बिकवाली मोड के बीच भी भारी डिमांड में हैं। ऐसा ही एक स्टॉक ग्लोबल वेक्टरा हेलीकॉर्प एयरलाइन का है। करीब 233 करोड़ के मार्केट कैप वाला स्मॉल-कैप स्टॉक लगातार पिछले दो दिनों से अपर सर्किट मार रहा है।

जनवरी से मार्च 2024 तिमाही के लिए कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न में प्रमुख निवेशक विजय केडिया का नाम सामने आने के बाद इस शेयर पर निवेशक टूट पड़े हैं। हाल ही में समाप्त मार्च 2024 तिमाही के लिए ग्लोबल वेक्टरा हेलीकॉर्प लिमिटेड ने शेयरहोल्डिंग पैटर्न जारी किया है। इसके अनुसार विजय केडिया के पास व्यक्तिगत क्षमता में कंपनी में 1.46 प्रतिशत हिस्सेदारी है। वहीं, केडिया के ब्रोकिंग फर्म केडिया सिक्योरिटीज की 1.46 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

बीते शुक्रवार को अपर सर्किट लगने के बाद ग्लोबल वेक्टरा हेलीकॉर्प के शेयर की कीमत आज एनएसई पर 166.65 थी। यह शेयर का ऑल टाइम हाई है। बता दें कि एक महीने में विजय केडिया का यह स्टॉक लगभग 110.75 से बढ़कर 166.65 प्रति शेयर हो गया है।

जिससे इसके शेयरधारकों को 50 प्रतिशत से अधिक का मुनाफा हुआ है। ड्ढ्रञ्जष्ठ आधार पर एयरलाइन स्टॉक ने अपने शेयरधारकों को लगभग 30 प्रतिशत का पॉजिटिव रिटर्न दिया है।

पिछले छह महीनों में यह मल्टीबैगर स्टॉक लगभग 86 से बढ़कर 166 प्रति शेयर हो गया है। यह लगभग 95 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। एक साल में विजय केडिया के पोर्टफोलियो में यह मल्टीबैगर स्टॉक लगभग 55 से बढ़कर 166.65 प्रति शेयर हो गया है। इस समय सीमा में निवेशकों को 200 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न मिला है।

इस मल्टीबैगर एयरलाइन कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के बारे में पूछे जाने पर विजय केडिया ने कहा- मैंने पिछली तिमाही में ग्लोबल वेक्टरा हेलीकॉर्प के कुछ शेयर खरीदे थे और हाल ही में फिर से दांव लगाया है। इसका मतलब है कि विजय केडिया के पास दिसंबर 2023 तिमाही के अंत के बाद ग्लोबल वेक्टरा हेलीकॉर्प के शेयर थे, लेकिन शेयरधारिता एक प्रतिशत से कम थी। यही वजह है कि उनका नाम पिछली तिमाही में एयरलाइन कंपनी के शेयरहोल्डिंग पैटर्न में दिखाई नहीं दिया।

भूचाल के बावजूद इस पावर शेयर पर टूटे निवेशक, एक्सपर्ट बोले 2150 तक जाएगा भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाजार में बड़ी गिरावट के बीच पावर सेक्टर से जुड़ी कंपनी-वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के शेयरों पर निवेशक टूट पड़े। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर 5 प्रतिशत उछलकर एक साल के उच्चतम मूल्य 2,071.05 रुपये पर पहुंच गया। इस भाव पर शेयर में 47 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई है। बता दें कि हाल ही में कंपनी ने शेयर को 5:1 के अनुपात में स्प्लिट का ऐलान किया था। स्टॉक एक्सचेंज- बीएसई और एनएसई ने वारी रिन्यूएबल टेक की सिक्योरिटीज को लॉन्ग टर्म एएसएम (अतिरिक्त निगरानी उपाय) स्ट्रक्चर के तहत रखा है। बता दें कि निवेशकों को शेयर की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बारे में सावधान करने के लिए स्टॉक एक्सचेंज, शेयरों को शॉर्ट या लॉन्ग टर्म एएसएम स्ट्रक्चर में डालते हैं।रेलिगेयर ब्रोकिंग के रवि सिंह ने कहा कि वारी रिन्यूएबल का स्टॉक अभी भी डेली चार्ट पर मजबूत दिख रहा है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

श्रीराम जानकी मंदिर जरी पटका के मामले में अब नायब तहसीलदार के बयानों में मंदिर स्पष्ट तौर पर शासकीय ही बताया गया

ग्वालियर। फालका बाजार स्थित श्रीराम जानकी मंदिर जरी पटका के मामले में अब नायब तहसीलदार के बयानों में मंदिर स्पष्ट तौर पर शासकीय ही बताया गया है। इतना ही नहीं बल्कि मंदिर के पुजारी ने पत्नी के नाम अवैध वसीयत की थी, यह जानकारी भी न्यायालय के सामने रखी है। उक्त वसीयत के आधार पर कार्तिक कालोनाइजर के नाम जो क्रय पत्र तैयार कराया गया, वह त्रुटिपूर्ण है। यह मंदिर माफी औकाफ का है।

इसी रामजानकी मंदिर के मामले में पूर्व में पदस्थ तहसीलदार की ओर से तत्कालीन कलेक्टर को पत्र भी लिखा गया था कि शासकीय अधिवक्ता शासन की छवि बिगाड़ रहे हैं।वहीं इसी मंदिर के मामले में मीडिएशन की अनुमति दे दी गई थी जिसका राजफाश होने के बाद यह मामला चर्चा में आ गया था। यहां बता दें कि फालका बाजार में श्रीरामजानकी मंदिर जरी पटका है जो 1916 के मंदिर रजिस्टर में दर्ज है। इस मामले में पूर्व में पुजारी की ओर से की गई अवैध वसीयत को आधार बनाकर जमीन का विक्रय कर दिया गया था, जो कि नहीं किया जा सकता। इस मामले में समीर सिंह की ओर से हाईकोर्ट में रिट पिटीशन लगाई गई कि माफी के मंदिर की जमीन को बचाया जाए। इसी मामले में तत्कालीन एसडीएम अखिलेश जैन ने कोर्ट में यह जवाब पेश कर दिया कि यह जमीन निजी है। माफी की जमीन को निजी बताने के मामले में कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया और लोकायुक्त को एसडीएम पर कार्रवाई के निर्देश दिए। जांच में यह भी पाया गया कि इस मंदिर के पुजारी को पूर्व से नेमनुक मिलती थी।

हाइकोर्ट के इस आर्डर पर एसडीएम की ओर से रिव्यू लगाया गया जिसे खारिज कर दिया गया था और उनके पूर्व के तत्कालीन एसडीएम ने यह स्वीकारा था कि यह जमीन माफी की है।

2018 में शासन की ओर से लगा था दावा2018 में इस मामले में तहसील स्तर से शासन की ओर से दावा लगाया गया। पहले शासकीय अधिवक्ता विजय शर्मा के पास यह मामला था लेकिन शासन की ओर से जवाब नहीं पेश हुए। इसके बाद विजय शर्मा को यहां से बदल दिया गया। इस मामले में शासन की ओर से जो दावा लगाया उसमें प्रतिवादी कार्तिक कालोनाइजर प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर संजीव गुप्ता, सीतादेवी, प्रदीप शर्मा व प्रीति शर्मा हैं। तहसीलदार के कोर्ट में बयान-ये षडयंत्र पुजारी रामचरणदास से फर्जी वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण कराकर मदनलाल शर्मा ने अपने नाम नामांतरण कराया और उनकी मृत्यु के बाद उक्त भूमि पत्नी सीतादेवी ने नामांतरण कराया। वर्तमान में सीतादेवी ने विक्रय पत्र कराकर कार्तिक कालोनाइजर के डायरेक्टर द्वारा शासकीय मंदिर की भूमि को अपने पक्ष में क्रय पत्र कराया जो कि खुदबुर्द करने का षडयंत्र है। मंदिर के रामचरण दास महंत नियुक्त थे न कि भूमि स्वामी। उन्हें केवल मंदिर के सरंक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था। इसमें उन्हें वसीयत कराने का अधिकार नहीं था।

एमपी बोर्ड परीक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं के रिजल्ट बनाने का काम शुरू, जल्द होंगे जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल 10वीं और 12वीं की परीक्षा की सभी आंसर शीट चेक हो चुकी हैं। अब रिजल्ट बनाने का काम शुरू हो गया है और यह जल्द ही पूरा हो जाएगा। अब 10वीं और 12वीं के परीक्षार्थियों का रिजल्ट के लिए इंतजार जल्द ही खत्म हो जाएगा। एमपी बोर्ड की वेबसाइट पर परीक्षार्थी अपना रिजल्ट देख सकेंगे। उधर 5वीं और 8वीं के रिजल्ट भी जल्द जारी होने की संभावना है।

बंदियों की बेहतर उपचार के लिए जेलों में शुरू करें टेलीमेडिसिन सुविधा

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस केंद्रीय कारागार में रविवार को बंदियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का आयोजन मप्र उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति की ओर से किया गया। शिविर का शुभारंभ मप्र उच्चन्यायालय के न्यायाधीश और मप्र उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के अध्यक्ष विवेक अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ। उन्होंने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि जेलों में टेलीमीडिसन की सुविधा प्रारंभ करें, ताकि बंदियों को बेहतर उपचार सुलभ हो।358 पुरुष, 54 महिला बंदी और तीन बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया

उन्होंने जबलपुर जेल में आयोजित शिविर का भौतिक निरीक्षण किया। भोपाल, नर्मदापुरम्, नरसिंहपुर, सागर, रीवा एवं सतना कारागार में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों का वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से अवलोकन किया। शिविर में 19 चिकित्सकों के दल ने 358 पुरुष बंदी, 54 महिला बंदी और तीन बच्चों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। उन्हें उचित परामर्श और उपचार दिया गया। इस दौरान विधिक सहायता शिविर भी आयोजित किया गया।राज्य शासन की क्षमा का लाभ प्राप्त होने पर 12 बंदी कारागार से रिहा

कार्यक्रम में न्यायाधीश अग्रवाल को गार्ड आफ आनर दिया गया। न्यायाधीन, कारागार में नेताजी सुभाषचन्द्र बोस की शयिका पर पहुंचे और पुष्पांजली अर्पित की। नेताजी जिस वार्ड में बंदी थे, उसे भी देखा। अच्छे आचरण के आधार पर आजीवन कारावास की सजा से दंडित 12 बंदी को राज्य शासन की क्षमा का लाभ प्राप्त होने पर रविवार को कारागार से रिहा गया गया है। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आलोक अवस्थी, मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में अतिरिक्त सचिव सुधांशु सक्सेना, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के रजिस्ट्रार एवं सचिव अनिल कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अवधेश कुमार श्रीवास्तव, म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के उप-सचिव अनिरूद्ध जैन, जेल अधीक्षक अखिलेश तोमर, जिला विधिक सहायता अधिकारी बीडी दीक्षित उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मिले डेढ़ करोड़ रुपये का अनुदान विश्वविद्यालय के लिए भारी पड़ गया

जबलपुर। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मिले डेढ़ करोड़ रुपये का अनुदान विश्वविद्यालय के लिए भारी पड़ गया है। लैब टेक्नोलाजी के जिस पाठ्यक्रम के लिए यूजीसी ने ग्रांट मंजूर की थी उस पर अब पैरामेडिकल काउंसिल ने अड़ंगा लगा दिया है। दरअसल, 2015 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रोजेक्ट के तौर पर विवि में दो वोकेशनल कोर्स शुरू कराए गए।कोर्स में प्रवेश हासिल कर चुके छात्रों की परेशानी बढ़ गई

लैब टेक्नोलॉजी को लेकर मप्र पैरामेडिकल काउंसिल ने कहा है कि यह पूर्व निर्धारित कोर्सेस में है ही नहीं। इससे कोर्स में प्रवेश हासिल कर चुके छात्रों की परेशानी बढ़ गई है। विवि प्रशासन भी असमंजस में है कि वह यूजीसी की माने या फिर पैरामेडिकल काउंसिल की। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और पैरामेडिकल काउंसिल के अलग-अलग नजरिए से छात्र खासे परेशान हैं। बड़ी संख्या में छात्र दाखिला ले चुके हैं लिहाजा भविष्य को लेकर भी कशमकश की स्थिति बनने लगी है।असमंजस में विद्यार्थी

-रादुवि में चल रहे वोकेशनल पाठ्यक्रम मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी कोर्स को केंद्र सरकार द्वारा निकाली जा रही नौकरियों के लिए पात्र है जबकि मप्र में इसे मान्यता नहीं दी गई है।

- मप्र में निकलने वाली नौकरी में पैरामेडिकल काउंसिल से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम की शर्त रख दी जाती है। ऐसे में छात्र भ्रमित हैं कि एक ही कोर्स को लेकर अलग-अलग मापदंड क्यों हैं?मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी (वोकेशनल) कोर्स को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मान्य है इसलिए इसकी वैवधानिकता पर कोई प्रश्न नहीं उठता है। दरअसल वोकेशनल कोर्स के पंजीकृत के संबंध में अभी मप्र पैरामेडिकल काउंसिल के पास कोई निर्देश नहीं थे, लिहाजा यूजीसी और पैरामेडिकल काउंसिल से पत्राचार किया जा रहा है। जल्द ही दोनों संस्थाएँ पाठ्यक्रम को पंजीकृत कर लेंगी।

-डॉ. दीपेश मिश्रा, कुलसचिव, रादुवि

फिर एक उम्मीदवार 24 हजार की चिल्लर लेकर पहुंचा कलेक्ट्रेट

भोपाल। लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल के लिए नामांकन पत्र जमा करने का सोमवार को दूसरा दिन है। इस दौरान एक उम्मीदवार नामांकन जमा करने के लिए 25 हजार रुपये की जमानत राशि लेकर पहुंचा। जिसमें 24 हजार की चिल्लर और एक हजार रुपये के नोट शामिल हैं।24 हजार की चिल्लर आते ही मतदानकर्मियों ने गिनना शुरू कर दिया है।बता दें कि पहले दिन शुक्रवार को एक अन्य उम्मीदवार 25 हजार की जमानत राशि में छह हजार रुपये की चिल्लर लेकर पहुंचा था।जिनकी गिनती करने में कर्मचारियों को आधा घंटे से अधिक का समय लग गया था। नामांकन पत्र सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक 19 अप्रैल तक जमा किए जा सकेंगे।

जानकारी के अनुसार मानव समाधान पार्टी से उम्मीदवार संजय कुमार लोकसभा संसदीय क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र जमा करने के लिए सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित रिटर्निंग अधिकारी के कार्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने पत्र के साथ कुल 25 हजार रुपये की जमानत राशि मतदानकर्मियों को दी। यह राशि बोरियों में बंद थी, जब उन्होंने खोलकर देखी तो उसमें 24 हजार रुपये की चिल्लर शामिल थी। इनमें एक, दो, पांच और 10 के सिक्के थे। जबकि एक हजार रुपये संजय ने नकद जमा किए हैं। कर्मचारियों ने चिल्लर अलग-अलग कर गिनना शुरू कर दिया था। इससे पहले शुक्रवार को कम्युनिस्ट पार्टी मुदित भटनागर छह हजार की चिल्लर सहित 25 हजार रुपये की जमानत राशि जमा करने गए थे। अभी कलेक्ट्रेट में नामांकन पत्र लेने और जमा करने का सिलसिला जारी है।बता दें कि पहले दिन लगभग 19 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदे थे इनमें करीब छह निर्दलीय उम्मीदवार शामिल थे।

उम्मीदवारों को शपथ-पत्र के सभी कालम भरना होगा

इंदौर। लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार को प्रारूप 26 में शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार शपथ-पत्र में उम्मीदवार के नाम पर विदेश में कोई संपत्ति है तो विदेश में जमा राशि, अपनी चल अचल-संपत्ति का ब्यौरा भी देना अनिवार्य है। शपथ-पत्र में उसे अपना पेन नम्बर भी देना होगा। यह शपथ उसे पब्लिक नोटरी या ओथ कमिश्नर अथवा प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष लेनी है। शपथ-पत्र का कोई कालम भी खाली नहीं छोड़ना है।

शपथ-पत्र नामांकन की अंतिम तिथि के दिन तीन बजे तक जमा किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय के निर्णय अनुसार यदि कोई अभ्यर्थी शपथ-पत्र में कोई भी कालम खाली छोड़ता है एवं इस आशय की जानकारी यदि रिटर्निंग अधिकारी ने सूचना द्वारा अभ्यर्थी को दे दी है एवं इस सूचना उपरांत भी अभ्यर्थी अपने शपथ-पत्र में कालम पूर्ण नहीं भरता या निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त चैक लिस्ट अनुसार नया शपथ-पत्र निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत नहीं करता तो ऐसी स्थिति में उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार अभ्यर्थी का नाम-निर्देशन पत्र निरस्त कर दिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों को अवगत कराया है कि अभ्यर्थी नामांकन प्रस्तुत करते समय अपने शपथ-पत्र में कोई भी कालम रिक्त न छोड़े। यदि किसी कालम में कोई जानकारी निरंक है तब वहां शून्य या लागू नहीं होता लिखा जाना चाहिए।

मतदान केन्द्रों पर लगाए जाएंगे मॉकपोल की जानकारी वाले पोस्टर

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन के दौरान प्रत्येक मतदान केन्द्र के बाहर मतदाताओं एवं राजनैतिक दलों एवं अभ्यर्थियों के पोलिंग एजेंट को मॉकपोल संबंधी जानकारी प्रदाय करने हेतु पोस्टर लगाने के निर्देश दिए गए हैं।

ज्ञात हो कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से मतदान प्रक्रिया प्रारंभ करने के पूर्व उसमें मॉकपोल कराया जाता है तथा मॉकपोल के पश्चात् मशीन को पुन: मतदान हेतु तैयार किया जाता है। इस दौरान 6 चरणों की कार्यवाही संपादित की जाती है। इन चरणों में मॉकपोल के दौरान कम से कम 50 प्रतिशत वोट डालने के पश्चात् क्लोज बटन दबाया जाता है, रिजल्ट बटन दबाकर परिणाम प्राप्त किया जाता है, यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रत्येक उम्मीदवार के लिए ईव्हीएम मशीन से प्राप्त परिणाम का व्हीव्हीपेट की पर्चियों से मिलान हो, कंट्रोल यूनिट से मॉकपोल डाटा हटाने के लिए क्लियर बटन दबाया जाता है, व्हीव्हीपेट के ड्रॉप बॉक्स से पर्चियां बाहर निकालकर उन पर्चियों के पीछे मॉकपोल स्लीप की सील लगाई जाती है तथा टोटल का बटन दबाकर पोलिंग एजेंट को बताया जाता है कि अब कंट्रोल यूनिट में कोई भी वोट नहीं है। इसी तरह व्हीव्हीपेट के ड्रॉप बॉक्स को खोलकर दिखाया जाता है कि उसमें भी कोई भी पर्ची नहीं है। ईव्हीएम तथा व्हीव्हीपेट मशीन की विश्वसनीयता एवं राजनैतिक दलों एवं अभ्यर्थियों के बीच विश्वास सृजन करने की दृष्टि से इस लोकसभा निर्वाचन के दौरान प्रत्येक मतदान केन्द्र के बाहर इन छ: चरणों की जानकारी प्रदाय करने के आशय से पोस्टर लगाए जाएंगे।

निपानिया, पिपलिया क्षेत्र के हजारो श्रद्धालुगण श्री राम कथा कलश यात्रा में शामिल हुए

इंदौर। हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में आयोजित नौ दिवसीय श्री राम कथा के पहले दिन तुलसी नगर स्थित सरस्वती मंदिर प्रांगण रविवार शाम 4 बजे से विशाल कलश एवं शोभा यात्रा निकाला गया। गाजे बाजे के साथ निकली कलश यात्रा में निपानिया एवं पिपलियाकुमार के तुलसी नगर, महालक्ष्मी नगर, एम् आर 4, 5, पुष्प विहार एक्सटेंशन, साईं कृपा

कॉलोनी, राधिका पैलेस, स्किम न. 134, राम नगर, अमृत पैलेस, पवन धाम कॉलोनियों की हजारों मातृ शक्तियां माथे पर कलश लिए कलश यात्रा में शामिल हुए।

कलश यात्रा तुलसी नगर स्थित सरस्वती मंदिर से शुरू होकर जॉर्डिन होटल, पवन धाम कॉलोनी, एडवांस अकेडमी स्कूल होते हुए स्कीम न 134 स्टार चौराहा श्रीराम नगर स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर परिसर में समाप्त हुई जहां श्री राम जन्मभूमि अयोध्या के पक्षकार महंत श्री सीताराम दास महाराज अगले नौ दिनों तक भक्तों को प्रतिदिन अपरान्ह 4 बजे से शाम 7 बजे तक राम कथा का रसपान कराएंगे।

कलश यात्रा में क्षेत्र क्रमांक 5 के विधायक महेंद्र हार्डिया, वार्ड 36-37 रहवासी महासंघ के संयोजक, के के झा, अध्यक्ष राजेश तोमर, महासचिव तथा इंदौर सर्व ब्राह्मण युवा संगठन के अध्यक्ष संदीप जोशी, सर्व ब्राह्मण युवा संगठन के महालक्ष्मी नगर इकाई के अध्यक्ष अमित त्रिवेदी, हेमंत शर्मा, अरुण कुमार कराहे, विश्वास द्विवेदी हरिओम योगपीठ के रमेश पाटिल, आर के जैन, अनिल भाटिया, मकवाना जी, संजय यादव, विवेक शर्मा सहित निपानिया, पिपलियाकुमार क्षेत्र बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आर्मी लॉ इंस्टीट्यूट, पुणे डॉ एन एन जैन राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता की विजेता बनी

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट एंड रिसर्च के डिपार्टमेंट ऑफ़ लॉ द्वारा आयोजित पद्मश्री डॉ. एन.एन. जैन चौथी राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के अंतिम दिन आर्मी लॉ इंस्टीट्यूट, पुणे तथा ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर की टीमों को पद्मश्री डॉ. एन.एन. जैन चौथी राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का विजेता तथा उपविजेता घोषित किया गया। विजेता एवं उपविजेता टीमों को अतिथियों द्वारा क्रमशः 35,000 एवं 25,000 रुपयों का नगद पुरस्कार के साथ ट्राफी एवं प्रमाणपत्र वितरित किये गए।

राजीव गांधी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी पटियाला के छात्र को बेस्ट मेमोरियल अवार्ड विजेता तथा ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर की दुर्गेश नंदिनी को बेस्ट स्पीकर का पुरस्कार प्रदान किया गया।

वहीं करियर कॉलेज ऑफ लॉ, भोपाल की छात्रा श्रेया खरे को बेस्ट रिसर्चर का पुरस्कार प्रदान किया गया।

संभागीय जनसम्पर्क कार्यालय,वोटिंग ड्राइव कार रैली का आयोजन

इंदौर। इन्दौर में स्वीप गतिविधि अंतर्गत लोकसभा निर्वाचन 2024 में अधिक से अधिक मतदान करने हेतु मतदाताओं को जागरूक करने का सिलसिला लगातार जारी है। इस सिलसिले में आज द वर्ल्ड ऑफ फिटनेस ग्रुप व एमजी मोटर्स के सहयोग से इंदौर स्मार्ट सिटी द्वारा वोटिंग ड्राइव कार रैली का आयोजन किया गया। कार रैली को स्मार्ट सिटी सीईओ श्री दिव्यांक सिंह एवं अधीक्षण यंत्री श्री महेश शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार रैली हेतु बड़ी संख्या में उपस्थित प्रतिभागियों को मतदान के लिए प्रेरित किया गया तथा शपथ दिलाई गई।

अभ्यर्थी सहित पाँच व्यक्ति ही रिटर्निंग अधिकारी कक्ष में कर सकेंगे प्रवेश

इंदौर। इंदौर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिये नामांकन-पत्र दाखिल करने का सिलसिला 18 अप्रैल से प्रारंभ होगा। नामांकन-पत्र कलेक्टर कार्यालय में रिटर्निंग अधिकारी कक्ष में भरे जा सकते हैं। नामांकन भरने के लिये अभ्यर्थी सहित 5 व्यक्ति रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में प्रवेश कर सकेंगे। सौ मीटर के अंदर केवल तीन वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। नामांकन भरने की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू होगी और दोपहर तीन बजे तक चलेगी। तीन बजे के उपरांत कक्ष में किसी भी व्यक्ति को प्रवेश करने अथवा दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अभ्यर्थियों को सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे नामांकन फार्म, जमानत राशि का प्रमाण, प्रारूप-ए एवं बी, शपथ पत्र आदि के साथ रिटर्निंग अधिकारी कक्ष में लेकर आना होगा।

यदि अभ्यर्थी उसी निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक नहीं है, जहां से वह चुनाव लड़ रहा है तो अभ्यर्थी को संबंधित निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली की प्रति या निर्वाचक नामावली से संबंधित भाग की प्रमाणित प्रति दाखिल करनी होगी।

एक अभ्यर्थी एक ही निर्वाचन क्षेत्र के लिए चार नामांकन पत्र दाखिल कर सकता है। एक साथ या पृथक से जमा किया जा सकता है। नामांकन प्रक्रिया की वीडियोग्रॉफी भी कराई जाएगी।

निर्वाचन के दृष्टिगत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार की जा रही है कार्रवाई

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर कलेक्टर श्री आशीष सिंह के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री मनीष खरे के निर्देशन तथा आबकारी कंट्रोल रूम प्रभारी श्री आर एच पचौरी के मार्गदर्शन में इंदौर आबकारी द्वारा लगातार अवैध मदिरा के विरूद्ध कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी कड़ी में 13 और 14 अप्रैल को जिले के समस्त वृत्तों में अवैध मदिरा के विरूद्ध कार्यवाहियां की गई।

रात्रि गस्त के दौरान जिला आबकारी अधिकारी श्री शुभम दंगोड़े, श्री देवेश चतुर्वेदी, श्री अनिल माथुर, श्री गोपाल यादव, आबकारी उपनिरीक्षक प्रियंका शर्मा, मुख्य आरक्षक बालमुकुंद गोड तथा आरक्षक शैलेंद्र जोशी की टीम द्वारा बड़ा बांगड़दा रोड पर प्राप्त सूचना अनुसार घेराबंदी कर मारुति सुजुकी स्विफ्ट डिजायर से 20 पेटी देशी मसाला मदिरा जप्त की गई। अवैध परिवहन करते आरोपी अंधेरे में फरार हो गया। उक्त मदिरा व वाहन का मूल्य लगभग 7 लाख रुपए है।

वृत प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री दीपेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में 13 अप्रैल को संध्याकालीन गस्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिलने पर आबकारी वृत्त बाल्दा कालोनी की उपनिरीक्षक मीरा सिंह ने राहुल तंवर पिता शंकरलाल तंवर निवासी एकता नगर के रिहायशी मकान में दबिश देकर तलाशी लेने पर मकान के भीतर से 9 पेटी देशी एवं विदेशी मदिरा, कुल 81 बल्क लीटर शराब मौके पर बरामद हुई। बरामदशुदा मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य 46250 रूपये है। तत्पश्चात आरोपी को गिरफ्तार कर मदिरा को कब्जे में लिया गया। अवैध मदिरा का संग्रहण एवं कब्जा होने से मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क, 34(2) का प्रकरण पंजीबद्ध कर प्रकरण को विवेचना में लिया है।

आरोपी राहुल पिता शंकर लाल तवर को न्यायालय द्वारा न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। आरोपी राहुल तंवर के खिलाफ पूर्व से पुलिस और आबकारी विभाग में शराब की तस्करी और अवैध बिक्री के कई गंभीर अपराध पंजीबद्ध हैं।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी, संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास, संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य, कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा, उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय, विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव, विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे, ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर, संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर, संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी, विशेष प्रतिनिधि

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्मआरती, स्वच्छता, अन्नक्षेत्र ई- कार्ट इत्यादि व्यवस्थाओं का बेहतर संचालन हो

उज्जैन। उपार्जन संबंधी अधिकारी और सभी एसडीएम फील्ड पर सक्रिय रहकर सुव्यवस्थित ढंग से गेहूं खरीदी कराएं। स्वीकृत पत्रक जारी करने में तेजी लाएं। खरीदी में लापरवाही करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। नॉन एफएक्यू खरीदी के लिए जिम्मेदार समिति प्रबंधकों के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही के आदेश जारी करें। मानक मापदंडों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण खरीदी सुनिश्चित कराएं। यह निर्देश कलेक्टर उज्जैन श्री नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित टीएल बैठक में अधिकारियों को दिए।

श्री महाकालेश्वर मंदिर की व्यवस्थाओं की समीक्षा

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में भस्मआरती , दर्शन , सफाई,

धर्मशाला, अन्न क्षेत्र , ई-कार्ट संचालन इत्यादि व्यवस्थाओं के लिए नियुक्त अधिकारियों से की गई कार्यवाही की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि भस्म आरती की एडवांस ऑनलाइन बुकिंग का बेहतर सिस्टम बनाया जाए। महाकाल मंदिर की साफ सफाई व्यवस्थाओं को और मजबूत करें। महाकाल के अन्नक्षेत्र का सुचारू रूप से संचालन किया जाए। वेस्ट सामग्री उठाव से लेकर डंपिंग तक की कार्यवाही की सतत मॉनिटरिंग करें।दिव्यांगो और वृद्धों के लिए संचालित ई -कार्ट का व्यवस्थित ढंग से संचालन कराएं। नंदी गेट से मानसरोवर तक ई -कार्ट का समय और स्टॉपेज निर्धारित कर उसी के अनुरूप उनका रोटेशन में संचालन किया जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में उपार्जन की विस्तृत समीक्षा की। बताया गया कि जिले में अभी तक 57494 किसानों के द्वारा स्लॉट बुकिंग की गई है, जिसमें से 41276 किसानों से 3 लाख 30 हजार 720 मीट्रिक टन खरीदी हो गई है। जो कि अनुमानित खरीदी का 42 प्रतिशत है। सभी मंडियों में अभी तक लगभग 27 लाख मीट्रिक टन खरीदी की हुई है। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने किसानों के भुगतान की समीक्षा कर निर्देशित किया कि किसानों का 7 दिवस से अधिक लंबित भुगतान प्राथमिकता से कराएं। बैठक में उपार्जन संबंधी अधिकारियों और सभी एसडीएम ने जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दिनों हुई बारिश से किसी भी प्रकार से गेहूं को नुकसान नहीं हुआ है।

अरणी मंथन से दिव्य श्री शिव शक्ति 108 कुण्डीय महायज्ञ में हुई अग्नि प्रज्जवलित

उज्जैन। श्री पंचायती निरंजनी अखाडा, बडनगर रोड पर दिव्य श्री शिव शक्ति 108 कुण्डीय महायज्ञ 15 अप्रैल से प्रारंभ हुआ। श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर मां मन्दाकिनी पूरीजी महाराज निरंजनी अखाड़ा के सानिध्य में यज्ञ की अग्नि प्रज्जवलित की। इसी के साथ 108 कुंडों में यज्ञ में अग्नि प्रज्जवलित कर आहूतियां प्रारंभ हुई।

आचार्य पंडित ब्रह्मानंद दीक्षित एवं सहयोगी आचार्यों द्वारा मंत्रोचार के साथ अरणी मंथन क्रिया से अग्नि प्रज्वलित कर हरहर महादेव की गूंज के साथ शिवशक्ति के जयकारे लगाते हुए यज्ञ प्रारंभ हुआ। मां मन्दाकिनी पूरीजी महाराज के साथ महंत श्री स्वेच्छा माताजी काठमांडू नेपाल, श्रीमहंत सत्यव्रतानंद सरस्वतीजी योगानंद फाउंडेशन, संत श्री निलेशानंद जी महाराज एवं मुख्य यजमान राजेश आंजना बिहारिया, बद्रीलाल आंजना महूड़ी ने सहपत्निक आहूतियां दी। 15 अप्रैल से प्रारंभ हुआ श्री शिव शक्ति 108 कुण्डीय महायज्ञ 19 अप्रैल तक चलेगा। 19 अप्रैल को सर्व हिन्दू समाज निःशुल्क सामुहिक विवाह सम्मेलन शास्त्रोक्त विधान से सम्पन्न होंगे। साथ ही भव्य संत समागम संतो का महाकुंभ का भी आयोजन किया जा रहा है। जिसमें देश के अनेक संत, महंत, मण्डलेश्वर सम्मलित होगें।

नवरात्रि पर्व पर किया कन्या पूजन

उज्जैन। माँ हरसिद्धि समग्र नारी उत्थान समिति द्वारा चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर परम्परानुसार इस वर्ष भी आम्बापुरा देसाई नगर स्थित कम्यूनिटी हॉल में 14 मार्च को मध्याह्न 12 बजे कन्या पूजन समारोह का आयोजन किया गया। इसमें क्षेत्र की लगभग 80 कन्याओं ने भाग लिया। समिति अध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद शीला जगदीशचन्द्र मरमट ने बताया कि यह आयोजन गत कई वर्षों से भव्यता के साथ मनाया जा रहा है। सभी उपस्थित कन्याओं का पूजन कर उपहार देकर भोजन करवाया गया।

हनुमान प्रकट उत्सव पर होगा सामूहिक हनुमान चालिसा का पाठ

उज्जैन। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी अलखधाम नगर स्थित श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर पर दो दिवसीय हनुमान प्रकट उत्सव मनाया जाएगा।

श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर प्रबंध समिति मंदिर के व्यवस्थापक मुकेश टटवाल एवं संयोजक प्रकाश तल्रेरा ने बताया कि महोत्सव में 22 अप्रैल की संध्या 7 बजे सुप्रसिध्द सुंदरकांड मंडली द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। वहीं 23 अप्रैल हनुमान प्रकट उत्सव के अवसर पर संध्या 7 बजे सामूहिक हनुमान चालिसा का पाठ सभी हनुमान भक्तों द्वारा किया जाएगा। जिसमें हजारों श्रध्दालु एक साथ बैठकर सामूहिक हनुमान चालिसा का पाठ करेंगे। साथ ही 56 भोग लगाकर दीपों से महाआरती की जाएगी। इस अवसर पर देवास, मंदसौर, उज्जैन के सुप्रसिध्द भजन गायक कलाकारों द्वारा भजन प्रस्तुत किये जाएंगे व विशाल भंडारे का आयोजन मंदिर परिसर में किया जाएगा। सभी आयोजन में उज्जैन के समस्त धर्मप्राण नागरिकों से सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने का अनुरोध मंदिर समिति के समस्त सदस्यगण व हनुमान भक्तों द्वारा की गई। संपूर्ण आयोजन हनुमान भक्तों द्वारा किया जाएगा।

साड़ी रन में दौड़ी 300 से अधिक महिलाएं, युवतियां दिया संदेश, नारी साड़ी में घर के काम कर सकती है तो वह साड़ी ने दौड़कर भी दिखा सकती है

उज्जैन। कोठी रोड उज्जैन पर साड़ी रन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें डॉक्टर, रिटायर्ड प्रोफेसर, फैशन डिजाइनर, बिजनेस वुमेन और हाउस वाइफ से लेकर स्कूलों बच्चियों और युवतियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता का संदेश था कि अगर, एक नारी बेहतर तरीके से घर को चला सकती है, साड़ी में काम कर सकती है तो वह साड़ी में दौड़कर भी दिखा सकती है।

मीडिया प्रभारी हंसा राजवानी ने बताया कि हर्षिता धनवानी एवं दिलीप धनवानी के नेतृत्व में आयोजित इस अनूठे कार्यक्रम में साड़ी पहनकर महिलाएं और युवतियां सड़क पर उतरीं तो लोग देखते ही रह गए। यह अनोखा नजारा रविवार को शहर में देखने को मिला। दरअसल, किड्ज़ प्ले स्कूल द्वारा शहर में साड़ी रन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, समाजसेवी एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सतविन्दर कौर सलूजा, डॉ. जया मिश्रा और सांसद पत्नी संध्या फिरोजिया ने किया। इस अवसर पर ऑक्सफोर्ड के डायरेक्टर दिलीप धनवानी, किड्ज़ प्ले स्कूल की संचालक हर्षिता धनवानी और पत्रकार डॉ. श्रुति जैन उपस्थित रहीं। साड़ी रन प्रतियोगिता में हर तबके की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। डॉक्टर, रिटायर्ड प्रोफेसर, फैशन डिजाइनर, बिजनेस वुमेन और हाउस वाइफ से लेकर स्कूलों लड़कियां और युवतियों ने भी इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस प्रतियोगिता का संदेश यह था कि अगर, एक नारी बेहतर तरीके से घर को चला सकती है, साड़ी में काम कर सकती है तो वह साड़ी में दौड़कर भी दिखा सकती है। महिलाओं ने यह भी दिखाया कि वह अपने काम और स्वास्थ्य को लेकर कितनी सचेत रहती हैं। इस रेस में 300 से अधिक महिलाओं और युवतियों ने हिस्सा लिया।

आयोजक हर्षिता धनवानी के अनुसार बुजुर्गों ने युवाओं के साथ कदम से कदम मिलाया। दौड़ में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र बुजुर्ग महिलाएं और छोटी बच्चियां रहीं। बुजुर्ग महिलाओं ने सभी के साथ कदम से कदम मिलाकर मैराथन में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मैराथन में भाग लेने का उनका उद्देश्य दूसरी बुजुर्ग महिलाओं के अलावा सभी को सेहत के प्रति जागरूक करना रहता है। बुजुर्ग होने का मतलब यह नहीं है कि आप लाचार हो गए हैं। अपने आप अपने आप को फिट रखें तो आप किसी पर निर्भर नहीं रहेंगे। यदि घर की महिला फिट रहेगी तो पूरा परिवार फिट होगा।

नगरवासियों की सुख समृद्धि के लिए अष्टमी पर नगर पूजा आज

उज्जैन। नगर वासियों की सुख समृद्धि की कामना को लेकर चैत्र माह की नवरात्रि में महाअष्टमी पर श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी द्वारा प्रतिवर्ष अनुसार आयोजित होने वाली नगर पूजा 16 अप्रेल मंगलवार को 24 खंबा स्थित माता महामाया और महालाया को मदिरा का भोग लगाकर पंचायती निरंजनी अखाड़ा के महामंडलेश्वर, संत, महंत सहित अन्य आखाड़ो के साधु संत पूजन करेंगे।

शारदीय नवरात्रि में एक और जहां अष्टमी के दिन कलेक्टर उज्जैन द्वारा नगर पूजा की जाती है वहीं चैत्र नवरात्रि में कई वर्षों से श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी द्वारा नगर पूजा का आयोजन किया जा रहा है। कोरोना काल महामारी के दौरान भी अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज ने हरिद्वार से आकर यहां परंपरा का निर्वहन किया। इसी क्रम में मंगलवार प्रातः 8 बजे चौबीस खंबा माता मंदिर से नगर पूजा प्रारंभ होगी। यात्रा के संबंध में बताते हुए वसूली पटेल तोलाराम पटेल ने बताया कि उज्जैन वासियों की सुख समृद्धि के लिए प्राचीन समय से नगर पूजा होती आ रही है। निरंजनी अखाड़े के सचिव रविंद्र पुरी जी महाराज द्वारा इस परंपरा का निर्वहन किया जा रहा है। 28 किलोमीटर मार्ग में मदिरा की धारा एक हांडी में लेकर कोटवार चलते हैं और रास्ते में आने वाले प्रमुख देवी मंदिर और भैरव मंदिरों में नए ध्वज और चोला चढ़ाया जाता है वही कुछ देवी मंदिरों में मदिरा चढ़ाने की परंपरा है। रात 8 बजे अंकपात मार्ग स्थित हांडी फोड़ भैरव पर यात्रा का समापन होता है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com